लखनऊ
सोमवार, 26 फरवरी 2024
वर्षः-08 अंकः-31
पृष्ठः-8 मूल्यः- 2 रुपये
RNI- UPHIN/2016/74800

हिन्दी साप्ताहिक

नई सोच, नया जुनून.....

करण वाणी

मनुष्य कर्म से महान होता है, जन्म से नहीं।
आचार्य चाणक्य

रायबरेली में शुरू हुआ एम्स, उद्घाटन समारोह से वर्चुअली जुड़े पीएम मोदी

नए भारत में हर नागरिक को उत्तम स्वास्थ्य सेवा की गारंटी मिल रही हैः सीएम योगी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के अलग-अलग राज्यों में नवनिर्मित एम्स का उद्घाटन किया

करण वाणी, न्यूज

रायबरेली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी रविवार को देश के अलग-अलग राज्यों में नवनिर्मित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) काउद्घाटन किया। उद्घाटित होने वाले एम्स में रायबरेली (उत्तर प्रदेश) राजकोट (गुजरात), मंगलगिरी (आंध्र प्रदेश), बठिंडा (पंजाब) औरकल्याणी (पश्चिम बंगाल) शामिल हैं। रायबरेली के उद्घाटन समारोह से पीएम मोदी वर्चुअली जुड़े। इस दौरान पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने यूपी के रायबरेली को एम्स की गारंटी दी थी। कांग्रेस के शाही परिवार ने रायबरेली में सिर्फ राजनीति की, काम मोदी ने किया। पीएम मोदी ने कहा कि उन्होंने रायबरेली एम्स का पांच साल पहले शिलान्यास किया और आज लोकार्पण किया। आपके सेवक ने गारंटी पूरी की।

रायबरेली एम्स के उद्घाटन समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 वर्षों में देश में क्रांतिकारी परिवर्तन देखने को मिला है। उन्होंने कहा कि आज नए भारत में हर नागरिक को सुरक्षा और उत्तम स्वास्थ्य सेवा की गारंटी मिल रही है। सीएम योगी ने का कि नए भारत के पास विकास की बड़ीझबड़ी परियोजनाओं को धरातल पर उतारने की क्षमता है। साथ ही आज डबल इंजन की सरकार के पास हर युवा को काम और आम नागरिक की आस्था को सम्मान देने की हिम्मत भी है।

सीएम योगी ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि रायबरेली एम्स के उद्घाटन के साथ ही उत्तर प्रदेश देश के उन अग्रणी राज्यों में शामिल हो गया, जहां दोझदो एम्स है। पहला एम्स गोरखपुर में शुरू हुआ था आज रायबरेली में शुरू हो रहा है। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष रायबरेली एम्स में 100 छात्रों ने एमबीबीएस में प्रवेश लिया था।

सीएम योगी ने कहा कि 2017 में जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आई थी तो हमारे सामने स्वास्थ्य सेवा

एक बड़ी चुनौती थी। प्रदेश में इंसेफेलाइटिस, मलेरिया, कालाजार और डेंगू का प्रकोप था। स्वास्थ्य सेवाएं बहुत खराब थी। 1947 से 2017 तक प्रदेश के 75 जनपदों में केवल 12 मेडिकल कॉलेज संचालित थे। उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में सरकारी और निजी मिलाकर 65 मेडिकलकॉलेज चल रहे हैं। इसके अलावा प्रदेश में 15 मेडिकल कॉलेज निमार्णाधीन है। सीएम योगी ने कहा कि आज प्रदेश के 75 जनपदों में डायलिसिस और टेली मेडिसिन की सुविधा उपलब्ध है।

रायबरेली एम्स नामदार और कामगार के फर्क का सबसे बड़ा उदाहरणः स्मृति ईरानी

केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि रायबरेली एम्स नामदार और कामगार के फर्क का सबसे बड़ा उदाहरण है। उन्होंने कहा कि आजादी के बाद से 2013 तक देश में 380 मेडिकल कॉलेज बने थे। वहीं 2014 से 2024 के बीच आज देश में 706 मेडिकल संचालित हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि अमेठी में जो तीस साल में नहीं हो पाया वो मुख्यमंत्री योगी ने तीन माह में कर दिखाया। उन्होंने कहा कि 2019 में हुए लोकसभा चुनाव का परिणाम आने के तीन माह के अंदर अमेठी को मेडिकल मिल गया। यह मुख्यमंत्री योगी के कारण संभव हो पाया। आज अमेठी में डायलिसिस सेंटर, ट्रामा सेंटर और ब्लड बैंक है, लोगों को इलाज के लिए कहीं बाहर नहीं जाना पड़ता है।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य राज्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह, उद्यान कृषि विपणन राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार दिनेश प्रताप सिंह सहित रायबरेली और अमेठी के जनप्रतिनिधि और भरी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता एवं आम लोग मौजूद रहे।

यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा रद्द, 6 महीने के भीतर होगा दोबारा एग्जाम

सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है, साथ ही छह महीने के भीतर दोबारा एग्जाम करवाने का भी फैसला किया है, सीएम योगी ने कहा परीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी।

लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में हुई यूपी पुलिस भर्ती परीक्षा को रद्द कर दिया है। साथ ही छह महीने के भीतर दोबारा एग्जाम करवाने का भी फैसला किया है। सीएम योगी ने युवाओं के हित में बड़ा निर्णय लेते हुए यूपी पुलिस सिपाही भर्ती परीक्षा-2023 रद्द कर दी है। इसके अलावा समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा 2023 की भी जांच कराने की बातकही है।

सीएम योगी ने कहा कि छह माह के भीतर ही पूर्ण शुचिता के साथ आयोजित होगी परीक्षा। उन्होंने आगे कहा, युवाओं की मेहनत औरपरीक्षा की शुचिता से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होगी। सूत्रों के अनुसार एसटीएफ की रडार पर परीक्षा कीगोपनीयता भंग करने वाले हैं। इस मामले में अब तक कई बड़ी गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

आरओ/एआरओ परीक्षा की शिकायतों की होगी जांच, मांगे सबूत

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा बीते 11 फरवरी को आयोजित की गई समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा झ 2023 से जुड़ी शिकायतों की भी जांच कराने का निर्णय लिया है। इस सिलसिले में अपर मुख्यसचिव, नियुक्ति एवं कार्मिक ने आदेश जारी किया है।

यहां भेज सकते हैं सबूत

समीक्षा अधिकारी/ सहायक समीक्षा अधिकारी (प्रारम्भिक) परीक्षा झ 2023 की शुचिता व पारदर्शिता के उद्देश्य में निर्णय लिया गया हैकि परीक्षा के संबंध में प्राप्त शिकायतों का शासन स्तर पर परीक्षण किया जाए। इस परीक्षा के संबंध में किसी भी प्रकार की

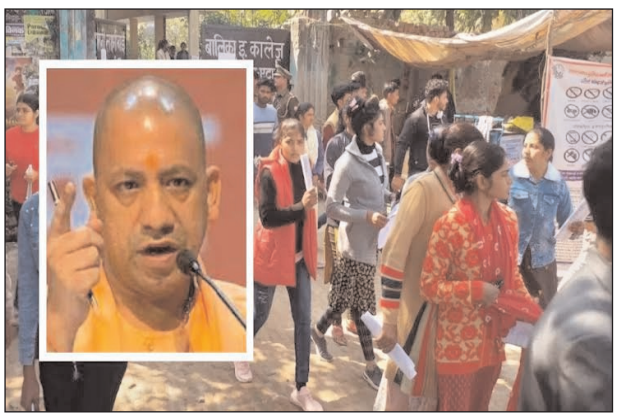

शिकायत अथवा इसकी शुचिता को प्रभावित करने वाले तथ्यों को संज्ञान में लाना चाहें तो वह अपना नाम तथा पूरा पता तथा साक्ष्यों सहितकार्मिक तथा नियुक्ति विभाग के ईमेल आई.डी. secyppoft@fic.if पर 27 फरवरी 2024 तक उपलब्ध करा सकते हैं।

निर्वाचन आयोग ने एक ही स्थान पर 3 वर्ष से अधिक समय से जमें अफसरों को हटाने को कहा

▶▶ अधिकारियों को एक ही संसदीय क्षेत्र के भीतर निकटवर्ती जिलों में न किया जाए स्थानांतरित/तैनात

▶▶ भारत निर्वाचन आयोग ने स्थानांतरण नीति को अक्षरशः लागू करने के दिए निर्देश

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने राज्य सरकारों को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है कि जिन अधिकारियों को 3 वर्ष पूरे करने के बाद जिले से बाहर स्थानांतरित किया जाता है, उन्हें उसी संसदीय क्षेत्र के किसी अन्य जिले में तैनात नहीं किया जाए। उन मामलों में गंभीरता से लेते हुए, जिनमें राज्य सरकारों द्वारा अधिकारियों को एक ही संसदीय क्षेत्र के भीतर निकटवर्ती जिलों में स्थानांतरित/तैनात किया जा रहा है, आयोग ने यह सुनिश्चित करने के लिए अपनी मौजूदा स्थानांतरण नीति को बिगाड़ने में सक्षम न हो सकें।

इस क्रम में, उत्तर प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी श्री नवदीप रिणवा ने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों का उत्तर प्रदेश में अक्षरशः अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि भारत निर्वाचन आयोग ने निर्देश दिया है कि दो संसदीय निर्वाचन क्षेत्रोंवाले राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को छोड़कर, सभी राज्य यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन अधिकारियों को जिले से बाहर स्थानांतरित किया गया है, उन्हें उसी संसदीय निर्वाचन क्षेत्र में तैनात नहीं किया जाए।

आयोग की स्थानांतरण नीति का अक्षरशः पालन किया जाए, न कि अनुपालन दिखाने के लिए इसे छुपाया जाए। यह नियम उनतबादलों और पोस्टिंग पर पूर्वव्यापी रूप से लागू होता है जिन्हें आयोग के पूर्व निदेर्शों के अनुसार पहले ही लागू किया जा चुका है।

ईसीआई नीति के अनुसार, उन सभी अधिकारियों को स्थानांतरित करने का निर्देश दिया गया है जो या तो अपने गृह जिले में तैनात थे या एक स्थान पर तीन वर्ष पूरे कर चुके हैं। इसमें वे अधिकारी शामिल हैं जो सीधे या पर्यवेक्षी क्षमता में किसी भी तरह से चुनाव कार्य से जुड़े हुए हैं।

चुनावों में समान अवसर में खलल डालने के खिलाफ आयोग की जीरो टॉलरेंस नीति रही है। हर स्मरण रहे कि हाल ही में हुए 5 राज्यों के विधानसभा चुनावों में, आयोग ने विभिन्न अधिकारियों, यहां तक कि राज्य में वरिष्ठ स्तर के पुलिस अधिकारियों के स्थानांतरण का आदेश दिया था।

उत्तराखंड पुलिस को बड़ी सफलता, हल्द्वानी हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक दिल्ली सें गिरफ्तार

उत्तराखंड पुलिस के हाथ बड़ी सफलता लगी है। आठ फरवरी को हुई हल्द्वानी हिंसा का मास्टरमाइंड अब्दुल मलिक पुलिस के हाथ लगगया है। पुलिस काफी समय से उसकी तलाश कर रही थी। उत्तराखंड पुलिस ने अब्दुल मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है। बनभूलपुरा बवाल के बाद से ही अब्दुल मलिक पर लगातार शिकंजा कसा जा रहा था।

करण वाणी, न्यूज

उत्तराखंड के हल्द्वानी जिले के बनभूलपुरा में 8 फरवरी को हुई हिंसा का मास्टरमाइंड आखिरकार पुलिस के हत्थे चढ़ गया है. उत्तराखंडपुलिस के प्रवक्ता आईजी निलेश भारने ने बताया कि हिंसा के मास्टमाइंड अब्दुल मलिक को पुलिस ने दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया है. आरोपी हिंसा के बाद से फरार चल रहा था, जिसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें लगी हुई थीं. पुलिस ने आरोपी के खिलाफलुक आउट नोटिस भी जारी किया था।

वहीं आरोपी अब्दुल मलिक ने हल्द्वानी की सेशन कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका भी दायर की हुई है, जिस पर 27 फरवरी को सुनवाई होनी है. हालांकि इससे पहले ही पुलिस ने आरोपी को दिल्ली से धर दबोचा है. आरोपी के वकील ने बताया कि उनको पता चला है कि अब्दुल मलिक को दिल्ली से गिरफ्तार कर लिया गया है, जबकि मलिक का हिंसा से कोई लेना देना नहीं है. जब ये हिंसा हुई, उससे तीनझचार दिन पहले से ही वह हल्द्वानी से बाहर थे।

बता दें कि इससे पहले हल्द्वानी नगर निगम ने कार्रवाई करते हुए 8 फरवरी को हुई हिंसा के मामले में मुख्य आरोपी अब्दुल मलिक के खिलाफ सरकारी संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने के आरोप में वसूली का नोटिस जारी किया था. यह वसूली नोटिस कुल 2.44 करोड़ रुपये का था, जिसमें मलिक के समर्थकों पर ह्यमलिक का बगीचाह्व में अतिक्रमण हटाने गई टीम पर हमला करने और नगर निगम की संपत्तियों को नुकसान पहुंचाने की बात कही गई है।

बसपा से लोकसभा चुनाव लड़ चुका है अब्दुल मलिक

बलभूनपुरा हिंसा के मुख्य आरोपी एवं साजिशकर्ता ने अकूत संपत्ति इक्कठा की हुई है. मोटा पैसा जमा करने के बाद मलिक ने नेता बनने का सपना देखा था. वह साल 2004 में फरीदाबाद से लोकसभा का चुनाव लड़ने के लिए बसपा से टिकट लाकर चुनाव भी लड़चुका है. मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार मलिक को नामांकन के अंतिम दिन टिकट मिला था और नॉमिनेशन फाइल करने के दौरान उसके साथ 100 लोगों की टीम थी. इस चुनाव में उसे हार का सामना करना पड़ा था. उस साल इस सीट से कांग्रेस को जीत मिली थी. तब फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र में मेवात भी शामिल था।

शहर में भड़क गया था दंगा

मलिक पर एक ह्लअवैध संरचनाह्व का निर्माण कराने का आरोप है, जिसे हटाने के दौरान शहर में हिंसा भड़क गई थी. इस हिंसा में छहलोगों को मौत हो गई थी और 100 से अधिक लोग घायल हो गए थे जिसमें कई पुलिसकर्मी और मीडिया के लोग भी थे. हिंसा के दिन(8 फरवरी) शहर में दंगा भड़क गया था जिसके बाद पुलिस बल और नगर निगम के कर्मचारियों पर हमला और एक पुलिस स्टेशन में आग लगाने की घटना को अंजाम दिया गया था. मदरसा और पास मौजूद एक निकटवर्ती संरचना, जिसका इस्तेमाल प्रार्थना के लिए होता था, को हटाने के क्रम में हुई हिंसा के दौरान पांच कथित दंगाइयों सहित छह लोगों की मौत हो गई थी, जबकि 60 लोग घायल होगए थे।

बीजेपी नेताओं की मुलाकात होते ही अलर्ट हुए अखिलेश.....

राजा भैया को दिया साथ आने का न्योता

लोकसभा चुनाव में अखिलेश यादव ने राजा भैया की पार्टी जनसत्ता दल लोकतांत्रिक से गठबंधन करने का दिया न्योता

करण वाणी, न्यूज

राजा भैया के एक बयान से भी सपा और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के बीच संभावित गठबंधन को लेकर संकेत मिलते हैं. नरेश उत्तमपटेल और भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राजा भैया ने कहा, मैंने 28 सालों में 20 साल समाजवादी पार्टी को दिए हैं, मेरे लिए समाजवादी पार्टी पहले है, मेरे लिए यह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं है।

लोकसभा चुनाव में अब काफी कम वक्त बचा है. किसी भी समय निर्वाचन आयोग आम चुनावों के लिए कार्यक्रम की घोषणा कर सकता है. उससे पहले राजनीतिक दल अपना समीकरण साधने और गठबंधन बनाने में जुटे हैं. यूपी में समाजवादी पार्टी ने हाल ही मेंकांग्रेस के साथ गठबंधन पर मुहर लगाई है, तो उधर भाजपा जयंत चौधरी को अपने पाले में लाने में कामयाब रही है. अब दोनों दलों की ओर से राजा भैया को साधने का प्रयास किया जा रहा है।

दो दिन पहले यूपी के सपा अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल ने जनसत्ता दल लोकतांत्रिक प्रमुख रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया से मुलाकातकी थी. उन्होंने फोन पर अखिलेश यादव की राजा भैया से बात भी कराई थी. इसके अगले दिन यूपी के भाजपा अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी औरयोगी सरकार में मंत्री जेपीएस राठौर राजा भैया से मुलाकात करने पहुंचे. सूत्रों की मानें तो बीजेपी और सपा नेताओं की जनसत्ता दलप्रमुख के साथ हुई मुलाकात राज्यसभा चुनाव को लेकर रणनीति सेट करने के लिए थी।

राजा भैया आना चाहें तो उनका स्वागतः अखिलेश यादव

इस बीच अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनावों के लिए राजा भैया की पार्टी के साथ गठबंधन को लेकर बड़ा बयान दिया है. सपा प्रमुख ने कहा है कि अगर राजा भैया हमारे साथ आना चाहें तो उनका स्वागत है. अखिलेश यादव ने कहा, ह्यवैसे भी बीजेपी ने अपने सभी गठबंधन

सहयोगियों को 2-2 मंत्री पदों का वादा किया है. कैसे देंगे सभी को 2-2 सीट? जो मंत्री नहीं बनेंगे वे नाराज होंगे और हम उनका समर्थनले लेंगेह्य।

राजा भैया के एक बयान से भी सपा और जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के बीच संभावित गठबंधन को लेकर संकेत मिलते हैं. नरेश उत्तमपटेल और भूपेंद्र चौधरी से मुलाकात के बारे में पूछे जाने पर राजा भैया ने कहा, ह्यमैंने 28 सालों में 20 साल समाजवादी पार्टी को दिए हैं. मेरे लिए समाजवादी पार्टी पहले है. मेरे लिए यह कोई राजनीतिक पार्टी नहीं हैह्य. दरअसल, यूपी में राज्यसभा की दसवीं सीट के लिए पेच फंसा है. संख्या बल के लिहाज से भाजपा अपने 7 उम्मीदवारों को आराम से राज्यसभा भेज देगी. वहीं सपा के भी दो उम्मीदवारों का राज्यसभा में जाना तय है।

उत्तर प्रदेश में राज्यसभा की 10वीं सीट पर फंसा है पेच

दसवीं सीट के लिए दोनों दल पर्याप्त समर्थन जुटाने के लिए जोड़्झतोड़ में लगे हैं. सपा को अपने तीसरे उम्मीदवार को राज्यसभा भेजनेके लिए 2 विधायकों के समर्थन की जरूरत है. राजा भैया की पार्टी के दो विधायक हैं. एक वह खुद और दूसरे विनोद सोनकर. अगर राजा भैया सपा का समर्थन कर दें तो वह अपने तीसरे उम्मीदवार को आराम से राज्यसभा भेज सकती है. इधर, बीजेपी भी इस जुगत में लगी है कि उसका 8वां उम्मीदवार राज्यसभा पहुंचे. राजा भैया से नरेश उत्तम पटेल और भूपेंद्र चौधरी की मुलाकात भी इसी सिलसिले मेंथी।

अनुरागिनी संस्था द्वारा आयोजित नाबार्ड बसंत मेले का समापन

▶▶पुलिस लाइन में स्वयं सहायता समूह की बहने करेगी सामान की आपूर्तिः पुलिस अधीक्षक ईराज राजा

▶▶स्वयं सहता समूहो से महिलांओं को मिली नई पहचानः भानु प्रताप वर्मा

करण वाणी, न्यूज

उरई। स्वयं सहायता समूहों ने न सिर्फ महिलाओं को एक अलग पहचान दी बल्कि उन्हें आर्थिक स्वावलंबी बनाकर परिवार में भीसहभागिता करने का अवसर प्रदान किया। यह बात टाउन हॉल उरई परिसर में नाबार्ड व अनुरागिनी संस्था के सहयोग से चल रहे तीनदिवसीय मेले के समापन समारोह को संबोधित करते हुए कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भारत सरकार के केंद्रीय राज्य मंत्री भानु प्रताप सिंहवर्मा ने कही। उन्होंने कहा कि यह महिलाओं की मेहनत का ही फल है कि महिला समूह के उत्पादो को लोग अब धीरेह्मधीरे पसंद कर रहेहैं। अनुरागिनी संस्था द्वारा लगातार महिला समूह के उत्पादों के लिए विभिन्न मंचों पर मार्केट उपलब्ध कराने का लगातार प्रयाससराहनीय है। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुंचे पुलिस अधीक्षक ईराज राजा ने कहा कि पुलिस लाइन में स्वयं सहायतासमूह की बहने करेगी सामान की आपूर्ति व स्वयं सहायता समूह की ही देन है कि महिलाएं घर पर रहकर उत्पादों को बेहतर तरीके सेनिर्मित कर रही है।

समापन समारोह में मुख्य विकास अधिकारी जालौन भीम उपाध्याय ने कहा कि केंद्र एवम् प्रदेश सरकार स्वयं सहायता समूहों केसशक्तिकरण के

लिए बहुत प्रयास कर रही है अभी हाल में नए बजट में समूह के उत्थान के लिए कई प्रावधान किए गए हैं अनुरागिनीसंस्था के अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लि के निदेशक डॉ प्रवीण सिंह जादौन ने कहा कि नाबार्ड बसंत मेले में स्थानीय लोगो ने बढ़ चढ़कर स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित उत्पादों की खरीददारी की जिससे महिलाओ में उत्साह है उपजिलाधिकारी आरती साहू उपायुक्त राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन दिनेश कुमार यादव ने स्वय सहायता समूहों के सदस्यो कोप्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। जिला विकास प्रबधक नाबार्ड पारितोष कुमार ने आए हुए सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए नाबार्ड द्वारा संचालित योजाओ की जानकारी दी।

इस अवसर पर नगर पंचायत कोटरा के अध्यक्ष सियाशरण व्यास, जिला सहकारी विकास फैडरेशन लि जालौन के निदेशक अवध किशोर शर्मा ,नगर पालिका परिषद उरई के पूर्व अध्यक्ष अनिल बहुगुणा, जिला सहकारी बैंक लि जालौन के निदेशक अभिमन्यु सिंह जल शक्ति मंत्री के प्रतिनिधि अरविंद सिंह चौहान किशोर न्याय बोर्ड के न्यायिक सदस्य सुरजीत सिंह, जिला केंद्रीय उपभोक्तासहकारी भंडार लि जालौन के अध्यक्ष उपेंद्र सिंह राजावत, उप सभापति अजय कुमार महतेले, निदेशक जितेंद्र कुमार पांडेय, क्रय विक्रय सहकारी समिति लि कालपी के अध्यक्ष सोमेश सिंह भारतीय जनता पार्टी के इंद्र राज गुर्जर मंगली तिवारी दिलीप श्रीवास्तव विपिन माहेश्वरी सौरभ सिंह जादौन सभासद श्री विपिन सेठ शशि सोमेंद्र सिंह विनीता पांडे क्रांति पटेल ,राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविकामिशन के ब्लॉक प्रबंधक चंदन कुमार श्रीवास प्रभु आइए ट्रस्ट के प्रमुख रोहित विनायक, यूएनडीपी के प्रबंधक रोहित त्रिपाठी विश्वस्वास्थ्य संगठन के मॉनिटर रविंद्र सिंह परमार जिला चिकित्सालय आयुष विभाग उरई से डा गोपाल सोनी,डा पंकज वर्मा श्रवण कुमार,डा हाशिम अंसारी ,डा अर्चना विश्वास रामेंद्र सिंह गुर्जर,तंबाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की सलाहकार तृप्ति यादव महेशकुमार ,मानसिक स्वास्थ्य से दिनेश कुमार रोगी सहायता केंद्र के प्रबंधक ब्रजेश कश्यप ,बुंदेलखंड महापरिषद के सत्यम मिश्रा राजेंद्र सिंह भदौरिया अनुरागिनी संस्था के लक्ष्मी प्रसाद राजपूत राहुल समाधियां कुंदन सिंह राठौर श्याम करण प्रजापति, श्रीमती प्रेरणा झा जी,उपस्थित रहे।

औद्योगिकीकरण में अव्वल उत्तर प्रदेश, रोजगार, आउटपुट वैल्यू में यूपी ने दर्ज की उल्लेखनीय वृद्धि

▶▶MOSPI द्वारा जारी एएसआई डेटा के अनुसार फैक्ट्रीज की संख्या, रोजगार, आउटपुट वैल्यू में यूपी ने दर्ज की उल्लेखनीय वृद्धि

▶▶मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स के ताजा डेटा के अनुसार, यूपी नई सक्रिय कंपनियों की उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के औद्योगिकीकरण के लिए किए जा रहे योगी सरकार के प्रयास भी रंग ला रहे हैं। मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्सएंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन (एमओएसपीआई) द्वारा एनुअल सर्वे ऑफ इंडस्ट्रीज (एएसआई) के ताजा डाटा और मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेटअफेयर्स (एमसीए) की लेटेस्ट रिपोर्ट इसी ओर इशारा कर रही है। मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन द्वारा वित्तीय वर्ष2020-21 और 2021-22 के लिए जारी एएसआई डेटा के अनुसार उत्तर प्रदेश ने सभी महत्वपूर्ण इंडीकेटर्स जैसे फैक्ट्रीज की संख्या, रोजगार, आउटपुट वैल्यू में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है, जबकि मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स (एमसीए) के नवीनतम डेटाबेस के अनुसार, यूपी नई सक्रिय कंपनियों की उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी राज्य है।

फैक्ट्रीज की संख्या और रोजगार में हुई वृद्धि

मिनिस्ट्री ऑफ स्टैटिस्टिक्स एंड प्रोग्राम इंप्लीमेंटेशन (एमओएसपीआई) ने वित्तीय वर्ष 2020-21 और 2021-22 के लिए एएसआईडेटा जारी किया है, जिसमें सभी महत्वपूर्ण इंडीकेटर्स जैसे फैक्ट्रीज की संख्या, रोजगार, आउटपुट वैल्यू में यूपी ने पर्याप्त उछाल दर्ज की है। साथ ही यह भारत में यूपी के शेयर में हुई वृद्धि को भी स्पष्ट करता है। वर्ष 2016 से वर्ष 2020 तक फैक्ट्रीज की संख्या 1.4 प्रतिशत की कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ी हैं, जबकि भारत में हिस्सेदारी 6.6 प्रतिशत पर लगभग स्थिर रही है। वहीं, महामारी के बाद वित्त वर्ष 2021 की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में फैक्ट्रियों में 6 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि हिस्सेदारी भी 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 7 प्रतिशत हो गई है। इसी तरह कुल संलग्न व्यक्तियों की बात करें तो 2016 से 2020 तक रोजगार 4.7 प्रतिशतके कंपाउंड एनुअल ग्रोथ रेट (सीएजीआर) से बढ़ा है, जबकि भारत में हिस्सेदारी 6.6 प्रतिशत से बढ़कर 6.8 प्रतिशत हो गई है। महामारी के बाद वित्त वर्ष 2022 में 2021 की तुलना में रोजगार में 14 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि हिस्सेदारी भी 7.1 प्रतिशत से बढ़कर 7.6 प्रतिशत हो गई है।

नई सक्रिय कंपनियों में यूपी अग्रणी

ग्रॉस वैल्यू एडेड की बात करें तो वित्त वर्ष 2016 से वित्त वर्ष 2020 तक इसमें 7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जबकि भारत में हिस्सेदारी 5.1 प्रतिशत से बढ़कर 5.7 प्रतिशत हो गई है। महामारी के बाद ग्रॉस वैल्यू एडेड वित्त वर्ष 2021 की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में 28 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि हिस्सेदारी भी 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 5.9 प्रतिशत हो गई। उधर, मिनिस्ट्री ऑफ कॉर्पोरेट अफेयर्स(एमसीए) के नवीनतम डेटाबेस के अनुसार, यूपी नई सक्रिय कंपनियों की उच्चतम विकास दर के साथ अग्रणी है। नवंबर 2022 सेनवंबर 2023 की अवधि के दौरान, उत्तर प्रदेश में शीर्ष 10 औद्योगिक राज्यों की तुलना में सक्रिय कंपनियों की संख्या में सबसे अधिक वृद्धि देखी गई है। 16.1 प्रतिशत के साथ उत्तर प्रदेश इस मामले में शीर्ष पर है।

सड़क हादसे के घायलों को देखने केजीएमयू और लोहिया पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

▶▶सीएम योगी ने केजीएमयू के ट्रामा और लोहिया अस्पताल में भर्ती एक-एक मरीज का जाना हाल, डॉक्टरों को दिये आवश्यक दिशा-निर्देश

▶▶मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इलाज के दौरान दो घायल की मौत पर व्यक्त किया शोक

▶▶सीएम योगी ने मृतकों के परिजनों को 2-2 लाख और घायलों के परिजनों को 50-50 हजार अनुग्रह राशि देने की घोषणा की

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। अर्जुनगंज में मरी माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे में घायलों को देखने और उनका हालचाल जानने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को केजीएमयू पहुंचे। इस दौरान उन्होंने डॉक्टरों से केजीएमयू के क्रेटिकल केयर मेडिसिन और क्रिटिकल केयर यूनिट में भर्ती मरीजों के इलाज से संबंधित जानकारी हासिल की। इसके बाद वह डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती घायलों को हालचाल जानने पहुंचे। वह दोनों अस्पताल के वार्ड में भर्ती एकझ्एक मरीज के पास गये और उनसे बातचीत की।

आप घबराएं नहीं, आपके मरीज का अच्छे से अच्छा किया जा रहा इलाजः सीएम

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भर्ती घायल मरीजों से पूछा कि इलाज से संबंधित कोई परेशानी तो नहीं हो रही है। पहले से आराम तोहै। इस पर मरीजों ने उन्हें बताया कि डॉक्टर उनका समुचित इलाज करने के साथ लगातार मॉनीटरिंग भी कर रहे हैं। वे पहले से बेहतरमहसूस कर रहे हैं। इस दौरान सीएम योगी ने केजीएमयू के डॉक्टरों को निर्देश दिया कि मरीजों के इलाज कोई कमी न हो, इसकाविशेष ख्याल रखा जाए। साथ ही उन्हें खानेझ्पीने की सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नेमरीजों का हालझ्चाल जानने के बाद उनके तीमारदारों और रिश्तेदारों से भी बातचीत की। सीएम योगी ने उन्हें आश्वस्त किया कि उनकेमरीज का अच्छे से अच्छा इलाज किया जा रहा है। सभी पहले से बेहतर महसूस कर रहे हैं। उन्हें घबराने की जरूरत नहीं है, सरकारउनके साथ है। उन्होंने तीमारदारों से कहा कि अगर उन्हें कोई समस्या होती है तो वह अस्पताल प्रशासन को तुरंत बताएं। उनकी हरसमस्या का तत्काल समाधान किया जाएगा। इसके बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती घायलों का कुशलक्षेम लेने पहुंचे। यहां भी उन्होंने एकझ्एक मरीज से बात की और अस्पताल प्रबंधन को आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

इस दौरान प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद, डीजीपी प्रशांत कुमार, केजीएमयू कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद, केजीएमयू के सीएमएस डॉ. वीके ओझा, ट्रामा के सीएमएस डॉ. प्रेमराज, चीफ प्रॉक्टर डॉ. क्षितिज, डॉ. अविनाश, लोहिया अस्पताल के एमएस डॉ. विक्रम सिंह, डॉ. सुनील सिंह, डॉ. महापात्रा, पुलिस कमिश्नर एसबी शिरोडकर, जिलाधिकारी सूर्यपाल गंगवार आदि मौजूद रहे।

इलाज के दौरान दो घायलों की मौत, सीएम ने परिजनों को बंधाया ढांढस

केजीएमयू में इलाज के दौरान दो घायलों की रविवार सुबह मौत हो गई। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इनके निधन पर शोक व्यक्त किया। उन्होंने मृतकों के परिजनों को ढांढस बंधाया और दोझ्दो लाख रुपये अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। इसके अलावा घायलों केपरिजनों को 50-50 हजार रुपये सहायता राशि देने का ऐलान किया।

हिन्दी साप्ताहिक
करण वाणी

महिला साड़ी सेमी क्वार्टर मैराथन का आयोजन, खेल स्पर्धा में हिस्सा लेने वाली महिलाओं को किया गया पुरस्कृत

▶▶ सांसद खेल स्पर्धा 2024: डॉ. राजेश्वर सिंह ने की प्रतिभागी महिलाओं के असाधारण आत्मविश्वास की सराहना, 2-2 हजार रुपयेप्रदान कर किया सम्मनित

▶▶ जरूरतमंद बेटियों की डॉ. राजेश्वर सिंह ने की मदद, शादी व पढ़ाई के लिए प्रदान की 1000 रुपये की धनराशि

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। सरोजनीनगर में सशक्त मातृशक्ति का एक अद्भुत उदाहरण और उनका असाधारण आत्मविश्वास उस वक्त देखने को मिला जब महिलाएं भारतीय संस्कृति के पारंपरिक परिधान साड़ी पहन कर 5ङे की दौड़ पूरी करते नजर आई। सांसद खेल स्पर्धा 2024 के तहत मोहनलालगंज लोकसभा, सरोजनीनगर विधानसभा में महिला साड़ी सेमी क्वार्टर मैराथन का आयोजन हुआ। जहां सरोजनीनगर विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने सहभागिता कर इस खेल स्पर्धा में हिस्सा लेने वाली महिलाओं का उत्साहवर्धन कर उनको 2-2 हजार रुपये पुरस्कार स्वरुप प्रदान कर सम्मानित किया।

डॉ राजेश्वर सिंह ने महिलाओं के आत्मविश्वास की सराहना करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति के पारंपरिक परिधान ह्यसाड़ीह्य पहन कर 5ङे की दौड़ पूरी करना, सरोजनीनगर की मातृशक्ति के असाधारण आत्मविश्वास का प्रमाण है, पारिवारिक दायित्वों के निष्ठा पूर्वक निर्वहन के साथ-साथ दृढ संकल्पित होकर प्रत्येक चुनौती को पार करने का यह आत्मविश्वास, भारत के नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त करेगा साथ ही उन्होंने कार्यक्रम के आयोजक संसद कौशल किशोर कि सराहना करते हुए कहा कि मातृशक्ति के सशक्तिकरण, राष्ट्रकी प्रगति को समर्पित और स्वस्थ एवं नशामुक्त युवा पीढ़ी के निर्माण के लिए आपका यह प्रयास अभिनंदनीय हैं।

इसके साथ ही आगामी 29 फरवरी को केडी सिंह बाबू स्टेडियम में होने वाली मैराथन में टॉप 200 महिलाओं को ?500 की पुरस्कार धनराशि देने की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह ने ऐन निवासी अनीता गोयल को सिलाई मशीन, लतीफनगर निवासी गुरु प्रसाद रावत की सुपुत्री रेनु रावत के विवाह के लिए ?5100 की सहयोग राशि तथा माती निवासी सिमरन को नीट की तैयारी के लिए ?5000 सहयोग राशि प्रदान किया।

कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री कौशल किशोर, महापौर सुषमा खर्कवाल, अंतर्राष्ट्रीय खेल एथलीट नीलू मिश्रा, ऑल इंडिया मुस्लिम महिला पर्सनल लॉ बोर्ड की अध्यक्ष शाइस्ता अम्बर, सांसद प्रतिनिधि प्रवीण अवस्थी, समाज सेविका रीना त्रिपाठी समेत सरोजनीनगर के मंडल अध्यक्ष, पार्षद, ग्राम प्रधान, भाजपा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

एक पुरुष से केवल एक व्यक्ति शिक्षित होता है लेकिन एक महिला से पूरी पीढ़ी : डॉ. राजेश्वर सिंह

डॉ. राजेश्वर सिंह ने 1,219 छात्राओं को बांटे टैबलेट व स्मार्टफोन, बेटियों की डिजिटल साक्षरता पर दिया जोर

करण वाणी, न्यूज

लखनऊ। आप एक पुरुष को शिक्षित करते हैं, तो केवल एक व्यक्ति ही शिक्षित होता है परंतु आप एक महिला को शिक्षित करते हैं तो पूरी एक पीढ़ी शिक्षित होती हैं। बेटियों के भीतर योग्यता, सामर्थ्य व क्षमता की कोई कमी नहीं है, महिलाएं दुनिया में कुछ भी हासिल कर सकती हैं, उन्हें आवश्यता है तो बस प्रोत्साहन के साथझ्रसाथ आधुनिक व गुणवत्तापरक शिक्षा की, वे अपने दम पर ऊंची से ऊंची उड़ान भर सकती हैं। एक मजबूत, स्वतंत्र और शिक्षित महिला से बड़ा स्थिरता का कोई स्तंभ नहीं है। ये प्रेरणास्पद वक्तव्य हैं सरोजनीनगर के शिक्षित और विजनरी विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह के, जो उन्होंने फैजाबाद रोड स्थित इसाबेला थोबर्न कॉलेज मेंआयोजित स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत टैबलेट / स्मार्टफोन वितरण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित छात्राओं से कहे। बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए डॉ. राजेश्वर सिंह ने कॉलेज के विभिन्न शिक्षण कार्यक्रमों में नामांकित 1219 छात्रों को स्मार्टफोन प्रदान किए साथ ही उनसे संवाद कर मार्गदर्शन भी किया।

इस दौरान डॉ. राजेश्वर सिंह ने डिजिटल साक्षरता के महत्व और उसकी आवश्यकता पर बात करते हुए कहा कि अब समय अक्‌ ट्रूँल्ली छीं१ल्व्रल्लॅ, Robotics का है, भविष्य डिजिटल साक्षरता का है, भारत में 2026 तक 3 करोड़ डिजिटल विशेषज्ञ पेशेवर की आवश्यकता होगी, भविष्य की 92 प्रतिशत नौकरियों के लिए डिजिटल कौशल की आवश्यकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेसंबंधित करीब 9.7 करोड़ अवसर सृजित होंगे। डॉ राजेश्वर सिंह ने डिजिटल शिक्षा के क्षेत्र में केंद्र व राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे कार्यों की भी चर्चा की, उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा बेटियों को डिजिटल विशेषज्ञ बनानेके लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं। पीएम मोदी ने NDLM, Digitl Skill Ifdi जैसे अभियान शुरू किये हैं। उन्होंने छात्रोंको प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आपके पास असीमित अवसर हैं आपको देश के विकास को और आगे लेकर जाना है।

डॉ. राजेश्वर सिंह ने महिलाओं की सकारात्मक प्रगति का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 1980 में वढरउ परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले अभ्यर्थियों में बेटियों का अनुपात 17-18 प्रतिशत था जो वर्ष 2023 में बढ़कर 34 प्रतिशत हो गया है। अब सभी सिविल सेवापरीक्षाओं में टॉप 10 में 3-5 लड़कियों की हिस्सेदारी रहती है। बेटियों की रोजगार के क्षेत्र की हिस्सेदारी 1977-78 में 35.7 फीसदी से बढ़कर वर्तमान में 60.7 प्रतिशत हो गई है। वैश्विक स्तर पर लगभग 60 प्रतिशत तथा भारत में 51 फीसदी महिलाएं शिक्षक हैं।भारत में महिला श्रम बल भागीदारी दर 37 फीसदी ?है। आज देश की जीडीपी में मातृशक्ति का योगदान करीब 18 प्रतिशत है, भारत कोविश्व का सबसे शक्तिशाली राष्ट्र बनाने के लिए इसे 50 प्रतिशत तक ले जाना आवश्यक है।

'आर्टिकल 370' को भरपूर फायदा, रविवार की कमाई में फिल्म ने काटा गदर

करण वाणी, न्यूज

यामी गौतम की आर्टिकल 370 और विद्युत जामवाल की क्रैक एक साथ सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। दोनों ही मूवीज की बॉक्स ऑफिस पर शुरूआत धीमी गति से हुई लेकिन दूसरे दिन से आर्टिकल 370 ने रफ्तार पकड़ी। फिल्म को रिलीज हुए तीन ही दिन बीते हैं लेकिन हर दिन मूवी के आंकड़ों में बढ़ोतरी देखने को मिल रही है।

नई दिल्ली। यामी गौतम की फिल्म आर्टिकल 370 इन दिनों सुर्खियों में छाई हुई है। मूवी में उनकी एक्टिंग जितनी पसन्द की जा रही है, उतनी ही फिल्म की कहानी भी। 'आर्टिकल 370' को विद्युत जामवाल की 'क्रैक' के साथ रिलीज किया गया है। ऐसे में इन फिल्मों का बॉक्स ऑफिस क्लैश देखने लायक है।

पुलिस ऑफिसर के रोल में भा गईं यामी गौतम

द सर्जिकल स्ट्राइक' बनाने वाले डायरेक्टर आदित्य जम्भाले ने इस बार 'आर्टिकल 370' की कहानी से परोसा है। ये फिल्म प्राइम मिनिस्टर नरेंद्र मोदी द्वारा हटाए गए धारा 370 के फैसले और इससे प्रभावित होने वाली चीजों को दिखती है। मूवी में यामी गौतम पुलिस ऑफिसर के रोल में हैं।

आर्टिकल 370' का कलेक्शन

यामी गौतम की परफार्मेंस काफी पसंद की जा रही है। फिल्म के कलेक्शन में हर दिन बढ़ोतरी देखी जा रही है। पहले दिन 6.12 करोड़ और दूसरे दिन 9.08 करोड़ कमाने के बाद तीसरे दिन फिल्म ने 9.50 करोड़ की कमाई की है। मूवी का टोटल बिजनेस 22.80 करोड़ हो गया है।

'क्रैक' को कर डाला क्रैक

यामी गौतम की 'आर्टिकल 370' के आगे विद्युत जामवाल की फिल्म क्रैक का जादू फीका पड़ता नजर आ रहा है। ये फिल्म 10 करोड़ के ऊपर भी नहीं पहुंच पाई है।

'आर्टिकल 370' की कास्ट

फिल्म में यामी गौतम के अलावा पीएम नरेंद्र मोदी के रोल में टीवी के 'राम' अरुण गोविल हैं। वहीं, अमित शाह की भूमिका किरण कर्मरकर ने निभाया है।

पीएम मोदी ने किया था फिल्म का जिक्र

कुछ दिन पहले अपने चुनावी भाषण में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने फिल्म 'आर्टिकल 370' का जिक्र किया था। उन्होंने कहा था अब सच्चाई लोगों के सामने आएगी। पीएम के बयान पर यामी गौतम ने उन्हें थैंक्यू मैसेज ट्वीट किया था।

DNM GROUP OF INSTITUTIONS
LUCKNOW
पॉलिटेक्निक
डी. फार्मा
बी.ए.
बी.एस.सी
Admission Open
7880341111
www.dnmiet.ac.in
एन.एच.25-ए,कटी बगिया (साई मंदिर के पास), बंथरा, कानपुर रोड, लखनऊ

भाकियू का शक्ति प्रदर्शन आज, हाईवे पर ट्रैक्टर श्रृंखला बनाएंगे किसान, हर जिले में पुलिस अलर्ट

भाकियू कार्यकर्ता आज किसान आंदोलन के समर्थन में हाईवे पर ट्रैक्टर श्रृंखला बनाएंगे। ऐसा कर किसान आंदोलन का समर्थन किया जाएगा और सरकार से किसान अपना हक मांगेंगे।

करण वाणी, न्यूज

पंजाब बॉर्डर पर चल रहे किसान आंदोलन के समर्थन में आज पश्चिमी उत्तर प्रदेश में हाईवे पर भाकियू कार्यकर्ता और किसान ट्रैक्टर श्रंखला बनाएंगे। वहीं ट्रैक्टर श्रृंखला के मद्देनजर पुलिस अलर्ट है। हाईवे के सभी थानों की पुलिस को सुरक्षा व व्यवस्था बनाने के लिए आदेश किए गए हैं।

भाकियू मेरठ में आज 11: 30 बजे भारतीय किसान यूनियन हाईवे पर विरोध प्रदर्शन करेगी। एनएच 58, मोहद्दीनपुर, सकौती, कैलाशी अस्पताल, एनएच 58 पर पड़ने वाले गांव के किसान अपने ट्रैक्टरों के साथ हाईवे पर पहुंचेंगे। हाईवे की बाईं लेन भाकियू के कब्जे में रहेगी।

भाकियू मुजफ्फरनगर में जिले की सीमा पुरकाजी के भूराहेड़ी से खतौली के भंगेला गांव तक ट्रैक्टर श्रंखला बनाएगी। हाईवे पर सुबह से ही ट्रैक्टर की लाइन दूर तक लग जाएगी। जिस कारण हाईवे का यातायात भी प्रभावित हो सकता है।

बता दें कि ट्रैक्टर श्रंखला बनाए जाने वाले हाईवे से एक नहीं दर्जन भर गांवों के हजारों लोगों का रोजाना आना-जाना होता है। वहीं उत्तराखंड से भी हजारों छोटे बड़े वाहन गुजरते है। इन वाहनों में सवार लोगों को भी परेशानी हो सकती है।

इस समस्या को देखते हुए एसएसपी अभिषेक सिंह ने हाईवे पर पड़ने वाले थाना पुरकाजी, छपार, नई मंडी, मंसूरपुर व खतौली के थाना प्रभारियों को सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने के लिए अलर्ट किया है। पुलिस अधिकारियों को भी सुबह से ही भ्रमण के लिए निर्देशित किया गया है। परिस्थितियों को देखते हुए पुलिस को आवश्यक व्यवस्था बनाने के लिए कहा है।

टमाटर की खेती से होगी लाखों की कमाई

टमाटर की खेती कर आप अच्छी कमाई कर सकते हैं. टमाटर की खेती करना आसान है, बस इसकी खेती के दौरान कुछ चीजें ध्यान मेंरखनी चाहिए. आइए जानते हैं, टमाटर की खेती से जुड़ी जरूरी टिप्स।

करण वाणी, न्यूज

लागत से अधिक होगा मुनाफा

साल में दो बार कर सकते हैं टमाटर की खेती

भारत में टमाटर की खेती बड़े स्तर पर होती है. कई किसान टमाटर की खेती कर बड़ा मुनाफा कमाते हैं. अगर आप 1 हेक्टेयर में भी टमाटर की खेती करते हैं, तो आपके पास 800 से 1200 क्विंटल टमाटर का उत्पादन होगा।

टमाटर की खेती के लिए कैसी होनी चाहिए मिट्टी?

टमाटर की खेती अलगझअलग तरह की मिट्टी पर की जा सकती है. इसके लिए रेतीली दोमट से लेकर चिकनी मिट्टी, लाल और काली मिट्टी तक पर खेती की जा सकती है. बस एक चीज का ध्यान रखें, जो भी मिट्टी आपके खेत में हो, उसमें पानी की उचित निकासी होनी चाहिए।

कब करनी चाहिए टमाटर की खेती?

अगर उत्तर भारत की बात करें तो टमाटर की खेती यहां साल में दो बार की जाती है. पहली खेती जुलाईझअगस्त से शुरू होकर फरवरीझमार्च तक चलती है. वहीं, दूसरी खेती नवंबरझदिसंबर से लेकर जूनझजुलाई तक चलती है।

इस खेती में होता है कितना फायदा?

टमाटर की खेती में किसान बड़ा फायदा उठा सकते हैं. किसान एक हेक्टेयर में 800-1200 क्विंटल तक पैदावार पा सकते हैं. ज्यादापैदावार की वजह से किसानों को लागत से ज्यादा मुनाफा होता है. आप अगर एक हेक्टेयर में खेती कर रहे हैं, तो आप 15 लाख तककी कमाई कर सकते हैं।

एक हेक्टेयर जमीन के लिए चाहिए कितने टमाटर के बीज?

अगर आप सामान्य किस्म का टमाटर लगाते हैं तो प्रति हेक्टेयर आपको करीब 500 ग्राम बीज की जरूरत होगी, जबकि हाइब्रिड बीच250-300 ग्राम ही चाहिए होगा।

खेती से पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है?

टमाटर की खेती में सबसे पहले बीजों से नर्सरी तैयार की जाती है. करीब महीने भर में नर्सरी के पौधे खेतों में लगाने लायक हो जाते हैं।

कैसे करें खेत की सिंचाई?

सर्दियों के मौसम में 6 से 7 दिन के अंतराल पर आपको खेत की सिंचाई करनी चाहिए और गर्मी के महीने में मिट्टी की नमी के आधार पर10-15 दिनों के अंतराल पर सिंचाई करें।

कितना तापमान खेती के लिए उचित?

टमाटर एक ऐसी सब्जी है जो गर्म जलवायु में ही उगाई जाती है परंतु इसकी खेती ज्यादातर ठंडे मौसम में की जाती है. इसके सफलउत्पादन के लिए इसका तापमान 21 से 23 डिग्री अनुकूल माना जाता है।

ये राज्य हैं टमाटर के प्रमुख उत्पादक?

बिहार, कर्नाटक, उत्तर प्रदेश, ओडिशा, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश और पश्चिम बंगाल टमाटर के मुख्य उत्पादक वाले राज्य हैं. पंजाब में, अमृतसर, रोपड़, जालंधर, होशियारपुर टमाटर उगाने वाले जिले हैं।

पाकिस्तान में घुसकर ईरान ने आतंकवादियों को किया ढेर

एक महीने पहले ही ईरान और पाकिस्तान के बीच हवाई हमलों की खबर आई थी, इसके बाद अब ईरान ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों को मार गिराया।

करण वाणी, न्यूज

ईरान के सैनिकों ने पाकिस्तान में घुसकर कई आतंकवादियों को मार गिराया है. सरकारी मीडिया के हवाले से ईरान इंटरनेशनल इंग्लिश ने बताया कि ईरान के सैन्य बलों ने पाकिस्तानी क्षेत्र में जैश अल-अदल के आतंकवादी ग्रुप कमांडर इस्माइल शाहबख्श और उसके कुछ साथियों को मार गिराया.

अल अरबिया न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, जैश अल-अदल को ईरान ने आतंकवादी संगठन घोषित कर रखा है. इस आतंकवादी संगठन का गठन 2012 में किया गया था और ये एक सुन्नी आतंकवादी ग्रुप है जो ईरान के दक्षिणपूर्वी प्रांत सिस्तान-बलूचिस्तान से संचालित होता है।

जैश अल-अदल ईरान पर कर चुका कई हमले

पिछले कुछ सालों में जैश अल-अदल ने ईरानी सुरक्षा बलों पर कई हमले किए हैं. अल अरबिया न्यूज के मुताबिक, दिसंबर में जैश अल-अदल ने सिस्तान-बलूचिस्तान में एक पुलिस स्टेशन पर हमले की जिम्मेदारी ली थी, जिसमें कम से कम 11 पुलिस कर्मियों की जान चली गई थी।

द न्यूज इंटरनेशनल के मुताबिक, ईरान और पाकिस्तान एक दूसरे के इलाकों में मिसाइलों से हमले करते रहते हैं. जिसमें कई आतंकवादी ढेर हो चुके हैं. पिछले ही महीने दोनों देश पारस्परिक रूप से सुरक्षा सहयोग का विस्तार करने पर सहमत हुए थे।

हाल ही में हुआ था ईरान-पाकिस्तान समझौता

इस समझौते की घोषणा पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी और उनके ईरानी समकक्ष होसैन अमीर-अब्दुल्लाहियन की ओर से पाकिस्तान विदेश कार्यालय में एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन के दौरान की गई।

इस दौरान पाकिस्तान के विदेश मंत्री जलील अब्बास जिलानी ने कहा था कि दोनों देश अपने-अपने क्षेत्रों में आतंकवाद से लड़ने और एक-दूसरे की चिंताओं को दूर करने पर भी सहमत हुए. साथ ही दोनों देश अपनी गलतफहमी को जल्दी ही दूर करके मसलों को सुलझा सकते हैं।

गौरतलब है कि तेहरान और इस्लामाबाद की ओर से 'आतंकवादी इकाइयों' को निशाना बनाकर एक-दूसरे पर मिसाइल हमले करने के बाद दोनों देशों के बीच तनाव बढ़ गया था।

बिना ड्राइवर के 84 किलोमीटर तक दौड़ती रही ट्रेन, रेलवे में मचा हड़कंप, जांच के आदेश

करण वाणी, न्यूज

रविवार को पंजाब में एक बेहद चौंकाने वाली घटना सामने आई है. यहां एक मालगाड़ी बिना ड्राइवर के करीब 84 किलोमीटर तक दौड़ती रही. गनीमत रही कि इस दौरान कोई जनहानि नहीं हुई. इस घटना से रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया. ट्रेन को पंजाब के दसूहा के पास रोका गया. रेलवे ने इस घटना की जांच के आदेश दिए हैं.

जम्मू-कश्मीर के कठुआ रेलवे स्टेशन पर रुकी एक मालगाड़ी अचानक पठानकोट की ओर चल पड़ी. यह ट्रेन ढलान के कारण बिना ड्राइवर के चलने लगी थी, जिसके बाद बिना ड्राइवर के ट्रेन करीब 84 किलोमीटर तक दौड़ती रही. इस घटना से रेलवे के अधिकारियों में हड़कंप मच गया.

आनन-फानन में कड़ी मशक्कत के बाद ट्रेन को पंजाब के मुकेरियां में ऊंची बस्सी के पास रोका गया. जम्मू के डिवीजनल ट्रैफिक मैनेजर का कहना है कि इस पूरे मामले की जांच शुरू कर दी गई है.

जानकारी के अनुसार, यह घटना रविवार सुबह करीब 7:10 बजे की है. जम्मू के कठुआ में ड्राइवर ने मालगाड़ी संख्या 14806फ को रोका था. यहां ड्राइवर ट्रेन से उतरकर चाय पीने चला गया. इसी दौरान ट्रेन अचानक चल पड़ी और स्पीड पकड़कर दौड़ने लगी.

कठुवा रेलवे स्टेशन के करीबी सूत्रों का कहना है कि मालगाड़ी कंक्रीट लेकर जा रही थी. यह कंक्रीट कठुआ से लोड किया गया था. जब चालक और सह-चालक चाय के लिए रुके तो इंजन चालू था. उसी बीच सुबह 7:10 बजे ट्रेन अचानक चल पड़ी. सूत्रों का कहना है कि ट्रेन से उतरने से पहले ड्राइवर ने हैंडब्रेक नहीं खींचे थे.

ड्राइवर ने ट्रेन को जाते देखा तो उड़ गए होश

इसके बाद जब ड्राइवर ने देखा कि ट्रेन चल पड़ी है तो उसके होश उड़ गए. मामले की जानकारी रेलवे के उच्चाधिकारियों को दी गई. इसके बाद ट्रेन को रोकने के प्रयास किए गए. कई प्रयास विफल रहे. इसके बाद यात्री ट्रेनों के ड्राइवरों और कर्मचारियों ने दसूहा के पास ऊंची बस्ती इलाके में ट्रेन को रोक लिया. उस समय तक ट्रेन 84 किलोमीटर तक चल चुकी थी.

गनीमत रही कि ट्रैक पर सामने से कोई अन्य ट्रेन नहीं थी, अन्यथा बहुत बड़ा हादसा हो सकता था. इस घटना किसी जानमाल के नुकसान की सूचना नहीं है. रेलवे ने इस मामले की जांच के आदेश दिए हैं और कारणों का पता लगाने के लिए एक टीम फिरोजपुर से भेजी गई है.

रेलवे सूत्रों का कहना है कि प्रथम दृष्टया ऐसा लगता है कि जब पहला क्रू चला गया और दूसरा क्रू कार्यभार संभाल रहा था तो ट्रेन का केबिन सिक्योर नहीं था. मालगाड़ी रेलवे निर्माण के लिए सामग्री ले जा रही थी. जांच के आदेश दे दिए गए हैं।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक सीमा सिंह द्वारा प्वांइट ऑफसेट, 86/98 कुर्मी टोला गुरुगोविन्द सिंह मार्ग, लालकुआं, लखनऊ-226018 से मुद्रित एंव पहाड़पुर, पोस्ट बंथरा, लखनऊ-226401 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादक- पंकज सिंह मो- 9415067370 E-mail:-karnvaninews@gmail.com website:- www.karnvaninews.com RNI-UPHIN/2016/74800